SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

भारतीय स्टेट बैंक
State Bank of India

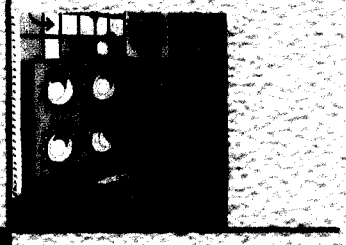

Report Junction.com

वार्षिक रिपोर्ट 2002-03

Annual Report 2002-03

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

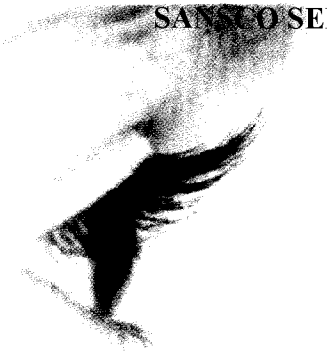

बैंक का लक्ष्य–कथन

i) विश्वस्तरीय कार्यक्षमता एवं व्यावसायिकता और सदृढ़ संस्थात्मक मूल्यों के साथ विश्वव्यापी संभावनाओं से युक्त अग्रणी भारतीय वित्तीय सेवा समूह।

ii) देश में विकास बैंकिंग के अग्रणी के रूप में अपना स्थान बनाए रखना।

iii) प्रति शेयर निरंतर उच्च उपार्जन के माध्यम से शेयरधारक मूल्य में वृद्धि।

iv) पारस्परिक विचारशीलता एवं प्रतिबद्धता की संस्कृति, समाधानजनक एवं प्रोत्साहनपरक कार्य–परिवेश और सतत ज्ञानार्जन के अवसरों से सुसज्जित एक संस्थान।

बैंक का ध्येय

विस्वस्तरीय मानकों एवं महत्वपूर्ण विश्वव्यापी व्यवसाय सहित अग्रणी भारतीय वित्तीय सेवा समूह के रूप में अपना स्थान बनाए रखते हुए ग्राहकों, शेयरधारकों तथा कर्मचारियों की संतुष्टि के लिए प्रतिबद्ध विकास बैंकिंग की भूमिका पर लगातार बल देते हुए, विस्तारशील तथा वैविध्यशील वित्तीय सेवा क्षेत्र में अपनी अग्रणी भूमिका का निर्वाह करना।

Report Junction.com

THE BANK'S VISION

i) Premier Indian Financial Services Group with global perspective, world-class standards of efficiency and professionalism and core institutional values.

ii) Retain its position in the country as a pioneer in Development Banking.

iii) Maximize shareholder value through high-sustained earnings per share.

iv) An institution with a culture of mutual care and commitment, a satisfying and exciting work environment and continuous learning opportunities.

THE BANK'S MISSION

To retain the Bank's position as the premier Indian financial services group, with the world class standards and significant global business, committed to excellence in customer, shareholder and employee satisfaction, and to play a leading role in the expanding and diversifying financial services sector, while continuing emphasis on its development banking role.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

सूचना

भारतीय स्टेट बैंक
केन्द्रीय कार्यालय, मुंबई 400 021.
6 जून 2003

भारतीय स्टेट बैंक के शेयरधारकों की 48 वीं वार्षिक महासभा श्री षणमुखानंद फाइन आर्टस एंड संगीत सभा, प्लाट नं. 292, कामरेड हरबंसलाल मार्ग, सायन (पूर्व), मुंबई-400 022 (महाराष्ट्र) में बृहस्पतिवार, दिनांक 24 जुलाई 2003 को अपराह्न 3.30 बजे निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु होगी:

"31 मार्च 2003 तक की केन्द्रीय बोर्ड की रिपोर्ट, बैंक का तुलनपत्र और लाभ एवं हानि खाता तथा तुलनपत्र और लेखों पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट प्राप्त करना."

अरुण कुमार पुरवार
अध्यक्ष

Notice

State Bank of India
Central Office, Mumbai 400 021.
6th June, 2003

The 48th Annual General Meeting of the Shareholders of the State Bank of India will be held at the Sri Shanmukhananda Fine Arts and Sangeetha Sabha, Plot No. 292, Comrade Harbanslal Marg, Sion (E), Mumbai-400 022 (Maharashtra) on Wednesday, the 24th July, 2003 at 3.30 P.M. for transacting the following business:

"to receive the Central Board's Report, the Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank made up to the 31st March, 2003 and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts."

Arun Kumar Purwar
Chairman

विषय-सूची

केन्द्रीय बोर्ड के निदेशकों, स्थानीय बोर्डों एवं केन्द्रीय प्रबंधन समिति के सदस्यों तथा बैंक के लेखापरीक्षकों की सूची 2
उल्लेखनीय तथ्य 7
अध्यक्ष की ओर से 8
निदेशकों की रिपोर्ट
- प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण
  - आर्थिक पृष्ठभूमि एवं बैंकिंग परिवेश 12
  - वित्तीय निष्पादन 14
  - निष्पादन की विशिष्टताएं 18
  - सहयोगी एवं अनुषंगियाँ 30
  - अनर्जक परिसंपत्ति प्रबंधन 38
  - सूचना प्रौद्योगिकी एवं ग्राहक सेवा 40
  - आंतरिक नियंत्रण प्रणालियाँ एवं उनकी उपयुक्तता 40
  - मानव संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में विकास 46
  - उत्तरदायित्व विवरण 46
- कारपोरेट अभिशासन 50

अनुलग्नक 64
तुलन-पत्र, लाभ एवं हानि खाता तथा नकदी प्रवाह विवरण
- भारतीय स्टेट बैंक 75
- स्टेट बैंक समूह (समेकित) 109

Contents

List of Directors of the Central Board, Members of the Local Boards and Central Management Committee, and the Bank's Auditors 2
Highlights 7
From the Chairman's Desk 9
Directors' Report
- Management Discussion and Analysis
  - Economic Backdrop and Banking Environment 13
  - Financial Performance 15
  - Performance Highlights 19
  - Associates and Subsidiaries 31
  - NPA Management 39
  - Information Technology and Customer Service 41
  - Internal Control Systems and their Adequacy 41
  - Developments in Human Resources Management 47
  - Responsiblity Statements 47
- Corporate Governance 51

Annexures 65
Balance Sheet, Profit & Loss Account And Cash Flow Statement of
- State Bank of India 75
- State Bank Group (Consolidated) 109

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

केन्द्रीय निदेशक बोर्ड

Central Board of Directors

(19 जून 2003 को)

(As on 19th June 2003)

अध्यक्ष
श्री अरुण कुमार पुरवार

Chairman
Shri Arun Kumar Purwar

प्रबंध निदेशक
श्री ए. के. बतरा
श्री पी.एन. वेंकटाचलम्

Managing Directors
Shri A.K. Batra
Shri P.N. Venkatachalam

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (खख) के अंतर्गत निदेशक (पदेन)
श्री के. पी. झुनझुनवाला
अवधि : 3 वर्ष अथवा उत्तराधिकारी की नियुक्ति तक, जो भी बाद में हो.

Directors (ex-officio) under Section 19(bb) of SBI Act
Shri K. P. Jhunjhunwala
Term: 3 years or appointment of Successor, whichever is later.

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (ग) के अंतर्गत निर्वाचित निदेशक
श्री पृथ्वीराज खन्ना
डॉ. आइ. जी. पटेल
श्री अजय जी. पीरामल
श्री सुमन कुमार बेरी
अवधि : 3 वर्ष अथवा अगले 3 वर्ष की अवधि के लिए पुनर्निर्वाचित होने तक

Director elected under Section 19 (c) of SBI Act
Shri Prithvi Raj Khanna
Dr. I. G. Patel
Shri Ajay G. Piramal
Shri Suman Kumar Bery
Term: 3 years or re-elected for further period of 3 years

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (गख) के अंतर्गत नामित निदेशक
श्री शांता राजु

Director nominated under Section 19(cb) of SBI Act
Shri Shantha Raju

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (घ) के अंतर्गत निदेशक
श्री किरीट शांतिलाल परीख
अवधि : 3 वर्ष अथवा उत्तराधिकारी की नियुक्ति होने तक - अधिकतम 6 वर्ष

Director under Section 19(d) of SBI Act
Shri Kirit Shantilal Parikh
Term: 3 years or till the Successor is appointed - Maximum 6 years

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (ङ) के अंतर्गत निदेशक
श्रीमती विनीता राय

Director under Section 19(e) of SBI Act
Smt. Vineeta Rai

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (च) के अंतर्गत निदेशक
श्रीमती के. जे. उदेशी

Director under Section 19(f) of SBI Act
Smt. K.J. Udeshi

www.reportjunction.com

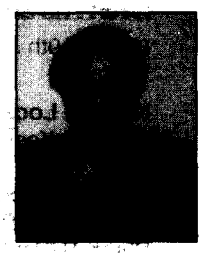

श्री ए.के. बतरा
Shri A.K. Batra

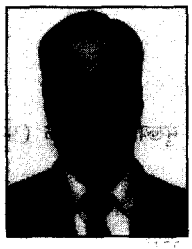

श्री पी. एन. वेंकटाचलम
Shri P.N. Venkatachalam

श्री के. पी. झुनझुनवाला
Shri K. P. Jhunjhunwala

श्री पृथ्वीराज खन्ना
Shri Prithvi Raj Khanna

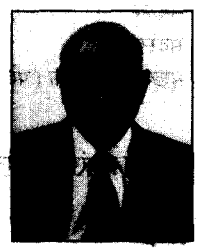

डॉ. आइ. जी. पटेल
Dr. I. G. Patel

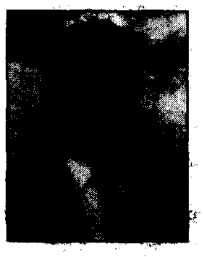

श्री अजय जी. पीरामल
Shri Ajay G. Piramal

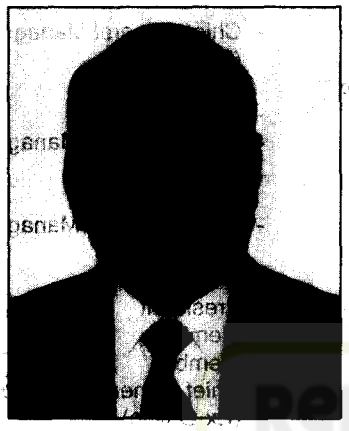

श्री अरुण कुमार पुरवार
Shri Arun Kumar Purwar

श्री. सुमन कुमार बेरी
Shri Suman Kumar Bery

श्री शांता राजु
Shri Shantha Raju

श्री किरीट एस.परीख
Shri Kirit S. Parikh

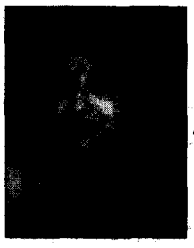

श्रीमती विनीता राय
Smt. Vineeta Rai

श्रीमती के. जे. उदेशी
Smt. K.J. Udeshi

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

स्थानीय बोर्ड के सदस्य

(19 जून 2003 को)

कोलकाता स्थानीय बोर्ड

श्री टी. के. केशवमूर्ति - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

मुंबई स्थानीय बोर्ड

श्री अजय जी. पीरामल* - सदस्य
श्री के. एस. पारीख - सदस्य
श्री बी. बेहरा - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

चेन्नई स्थानीय बोर्ड

श्री एस. कृष्णमूर्ति - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

नई दिल्ली स्थानीय बोर्ड

श्री पृथ्वीराज खन्ना* - सदस्य
श्री एस. के. बेरी - सदस्य
श्री आर. के. थपलियाल - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

लखनऊ स्थानीय बोर्ड

श्री पी. भाष्यम - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

अहमदाबाद स्थानीय बोर्ड

डॉ. आई. जी. पटेल* - सदस्य
श्री ए. के. शर्मा - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

हैदराबाद स्थानीय बोर्ड

श्री एस. के. भट्टाचार्य - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

पटना स्थानीय बोर्ड

श्री के. पी. झुनझुनवाला - सभापति
श्री संजय सेठ - सदस्य
श्री विनय कुमार कांता - सदस्य
श्री के. सी. राऊत - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

भोपाल स्थानीय बोर्ड

श्री एस. भट्टाचार्य - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

भुवनेश्वर स्थानीय बोर्ड

श्री एस. सी. दास - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

चण्डीगढ़ स्थानीय बोर्ड

श्री योगेश अग्रवाल - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

बंगलूर स्थानीय बोर्ड

श्री पी.के. मित्रा - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

गुवाहाटी स्थानीय बोर्ड

श्री सी. आर. राधाकृष्णन - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

तिरुवनन्तपुरम स्थानीय बोर्ड

श्री सी. सुंदरश्याम - मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

* भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 21 (ख) के अनुसार स्थानीय बोर्ड पर नामित केंद्रीय बोर्ड के निदेशक.

* लखनऊ, गुवाहाटी, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, केरल, हैदराबाद, बंगलूर, तथा बंगाल मंडलों में स्थानीय बोर्ड की बैठक के संचालन हेतु आवश्यक संख्या न होने से स्थानीय बोर्ड की एक समिति जिसमें अध्यक्ष एवं उस मंडल के मुख्य महाप्रबंधक शामिल होते हैं, स्थानीय बोर्ड के कार्य करने के लिए आवधिक अंतरालों पर बैठक आयोजित करती है.

Members of Local Boards

(As on 19th June 2003)

Kolkata Local Board

Shri T.K. Keshavamurthy - Chief General Manager (Ex-Officio)

Mumbai Local Board

Shri Ajay G. Piramal* - Member
Shri K.S. Parikh - Member
Shri B. Behera - Chief General Manager (Ex-Officio)

Chennai Local Board

Shri S. Krishnamurthy - Chief General Manager (Ex-Officio)

New Delhi Local Board

Shri Prithvi Raj Khanna* - Member
Shri S.K. Bery - Member
Shri R.K. Thapliyal - Chief General Manager (Ex-Officio)

Lucknow Local Board

Shri P. Bhashyam - Chief General Manager (Ex-Officio)

Ahmedabad Local Board

Dr. I. G. Patel* - Member
Shri A.K. Sharma - Chief General Manager (Ex-Officio)

Hyderabad Local Board

Shri S.K. Bhattacharya - Chief General Manager (Ex-Officio)

Patna Local Board

Shri K. P. Jhunjhunwala - President
Shri Sanjay Seth - Member
Shri Vinay Kumar Kantha - Member
Shri K.C. Rout - Chief General Manager (Ex-Officio)

Bhopal Local Board

Shri S. Bhattacharyya - Chief General Manager (Ex-Officio)

Bhubaneswar Local Board

Shri S.C. Das - Chief General Manager (Ex-Officio)

Chandigarh Local Board

Shri Yogesh Agarwal - Chief General Manager (Ex-Officio)

Bangalore Local Board

Shri P.K. Mitra - Chief General Manager (Ex-Officio)

Guwahati Local Board

Shri C.R. Radhakrishnan - Chief General Manager (Ex-Officio)

Thiruvanathapuram Local Board

Shri C. Sundarashyam - Chief General Manager (Ex-Officio)

* Directors on the Central Board nominated on the Local Boards as per Section 21(b) of SBI Act.

* In the absence of the required quorum for conduct of Local Board meeting in Lucknow, Guwahati, Bhopal, Bhubaneswar, Chandigarh, Kerala, Hyderabad, Bangalore, and Bengal Circles, a Committee of Local Board comprising the Chairman and the Chief General Manager of the Circle meets at periodical intervals to carry out the functions of the Local Board.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

केन्द्रीय प्रबंधन समिति के सदस्य

(19 जून 2003 को)

श्री अरुण कुमार पुरवार
अध्यक्ष

श्री ए. के. बतरा
प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (कारपोरेट बैंकिंग)

श्री पी. एन. वेंकटाचलम्
प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (राष्ट्रीय बैंकिंग)

श्री के.एस.वी. कृष्णमाचारी
उप प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सहयोगी एवं अनुषंगियाँ)

श्री आर. अस्थाना
उप प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग)

श्री सी. भट्टाचार्य
उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य ऋण अधिकारी

श्री एस. संतानकृष्णन
उप प्रबंध निदेशक एवं कारपोरेट विकास अधिकारी

श्री के. अशोक किणी
उप प्रबंध निदेशक (आयटी)

श्री बी.डी. सुमित्रा
उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी

श्री आर.के. सिन्हा
उप प्रबंध निदेशक (निरीक्षण एवं प्रबंधन लेखा-परीक्षा)

Members of Central Management Committee

(As on 19th June 2003)

Shri Arun Kumar Purwar
Chairman

Shri A. K. Batra
Managing Director &
Group Executive (Corporate Banking)

Shri P. N. Venkatachalam
Managing Director &
Group Executive (National Banking)

Shri K.S.V. Krishnamachari
Deputy Managing Director & Group Executive
(Associates & Subsidiaries)

Shri R. Asthana
Deputy Managing Director
& Group Executive
(International Banking)

Shri C. Bhattacharya
Deputy Managing Director &
Chief Credit Officer

Shri S. Santhanakrishnan
Deputy Managing Director
& Corporate Development Officer

Shri K. Ashok Kini
Deputy Managing Director (IT)

Shri B.D. Sumitra
Deputy Managing Director
& Chief Financial Officer

Shri R.K. Sinha
Deputy Managing Director
(Inspection & Management Audit)

www.reportjunction.com

बैंक के लेखापरीक्षक	The Bank's Auditors
बी.एम. चतरथ एंड कं.	B.M. Chatrath & Co.
व्यास एंड व्यास	Vyas & Vyas
एस. विश्वनाथन	S. Viswanathan
एस.पी. चोपड़ा एंड कं.	S.P. Chopra & Co.
जी.एस. माथुर एंड कं.	G.S. Mathur & Co.
आर.देवेन्द्र कुमार एंड एसोशिएट्स	R.Devendra Kumar & Associates
वेणुगोपाल एंड चिनॉय	Venugopal & Chenoy
सालारपुरिया जाजोदिया एंड कं.	Salarpuria Jajodia & Co.
ओ.पी. तोत्ला एंड कं.	O.P. Totla & Co.
के.एस. अय्यर एंड कं.	K.S. Aiyar & Co.
बी.डी. बंसल एंड कं.	B.D. Bansal & Co.
नन्दी एण्ड एसोशिएट्स	Nundi & Associates
के.पी. राव एंड कं.	K.P. Rao & Co.
फिलिपस एंड कं.	Phillipos & Co.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

उल्लेखनीय तथ्य
Highlights

वर्ष के लिए FOR THE YEAR	2002-03	2001-02	परिवर्तन प्रतिशत में % change
कुल आय (करोड़ रुपये) Total Income (Rs. crore)	36,827	33,985	8.4
कुल व्यय (करोड़ रुपये) Total Expenditure (Rs. crore)	33,722	31,553	6.9
निवल लाभ (करोड़ रुपये) Net Profit (Rs. crore)	3,105.0	2,431.6	27.7
आय-प्रति शेयर (रुपये) Earnings per Share (Rs.)	59.00	46.20	27.7
औसत परिसंपत्तियों पर आय (%) Return on Average Assets (%)	0.86	0.73	17.8
ईक्विटी पर आय (%) Return on Equity (%)	18.05	15.97	13.0
प्रति कर्मचारी लाभ (रुपये) Profit per Employee (Rs.)	1,47,830	1,15,820	27.6

वर्ष की समाप्ति पर AT THE END OF	31st March 2003	31st March 2002	परिवर्तन प्रतिशत में % change
संदत्त पूँजी और आरक्षितियां एवं अधिशेष (करोड़ रुपये) Paid-up Capital and Reserves & Surplus (Rs. crore)	17,203	15,224	13.0
जमाराशियां (करोड़ रुपये) Deposits (Rs. crore)	2,96,123	2,70,560	9.4
अग्रिम (करोड़ रुपये) Advances (Rs. crore)	1,37,758	1,20,806	14.0
देशीय शाखाओं की संख्या Number of Domestic Branches	9,033	9,034	—
विदेश स्थित शाखाओं/कार्यालयों की संख्या Number of Foreign Branches / Offices	48	51	-5.9
पूँजी पर्याप्तता अनुपात (%) Capital Adequacy Ratio (%)	13.50	13.35	1.1
निवल अनर्जक परिसंपत्तियाँ (%) Net NPA (%)	4.50	5.63	-20.1

www.reportjunction.com

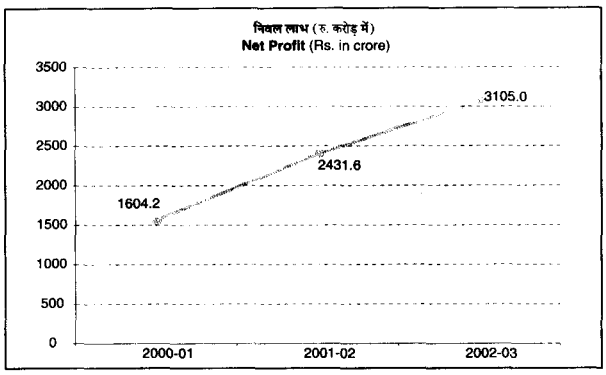

अध्यक्ष की ओर से

प्रिय शेयरधारक,

आपके बैंक के निदेशक-बोर्ड की वर्ष 2002-03 की रिपोर्ट आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है । रिपोर्ट में दिए गए ब्योरे से आपको जानकर हर्ष होगा कि आपके बैंक का कामकाज बढ़िया रहा है।

भौगोलिक-राजनैतिक मामलों और विश्व-अर्थव्यवस्था में मंदी से ग्रस्त रहे वर्ष 2002-03 में भारत के निर्यात उत्साहवर्धक रहे । उनमें 17.8% की वृद्धि हुई और विदेशी मुद्रा-भंडार मार्च 2003 में 75.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया और जून 2003 तक 80 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया । कमजोर मानसून के कारण कृषि-उत्पादन में आई गिरावट से अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रभाव को उद्योग एवं सेवा-क्षेत्र में हुई क्रमश: 6.00% और 7.1 % की वृद्धि ने अप्रभावी कर दिया ।

वित्तीय क्षेत्र की निर्बाध गति से वृद्धि होती रही । वित्तीय क्षेत्र सुधारों की निरंतरता से वाणिज्यिक बैंकों की वित्तीय स्थिति में पूंजी-पर्याप्तता, लाभप्रदता तथा परिसंपत्ति-गुणवत्ता की दृष्टि से उल्लेखनीय सुधार हुआ । जोखिम-प्रबंधन पर भी अधिक ध्यान दिया जाने लगा । पिछले वर्षों में वित्त और बैंकिंग क्षेत्र नए खिलाड़ियों, नए उपकरणों और नई संस्थाओं के साथ अनेक दूरगामी परिवर्तनों का साक्षी बना ।

इसके साथ-साथ वित्तीय उदारीकरण का एक बड़ा प्रभाव बढ़ती प्रतिस्पर्धा और सिकुड़ते स्प्रेड (कीमत-लागत अंतर) के रूप में सामने आया, जिसका असर बैंकों की लाभप्रदता पर पड़ा । घटते मार्जिनों के बावजूद लाभप्रदता बढ़ाना बैंकों के लिए चुनौती है । स्प्रेड में कमी, अनर्जक परिसंपत्तियों के लिए प्रावधान में वृद्धि और ब्याज-दरों में गिरावट के माहौल में लेनदेन-लागतों में कमी लाने पर अधिक ध्यान देना होगा । इसके लिए आय के नए स्रोत ढूंढने होंगे और प्रौद्योगिकी के प्रयोग से बहुत अधिक व्यवसाय संभालने की क्षमता सृजित करनी होगी ।

बढ़ती प्रतिस्पर्धा और बेहतर संचार तथा प्रौद्योगिकी के परिवेश में ग्राहकों की अपेक्षाएँ भी काफी बढ़ गई हैं और बैंकों को उनके अनुकूल उत्पाद अनेक माध्यमों से प्रदान करने हैं । उन्हें चौबीसों घंटे बैंकिंग-सुविधाएँ उपलब्ध करानी हैं । इस तरह प्रौद्योगिकी बैंकिंग की कार्यनीतियों का अभिन्न अंग बन गई है । बैंकों को ऐसी विश्वस्तरीय प्रणालियों को अपनाना और कार्यान्वित करना होगा जिससे वे बड़ी मात्रा में उत्पाद और सेवाएँ स्पर्धी दरों पर प्रदान कर सकें तथा बेहतर जोखिम-प्रबंधन कार्यविधियाँ अपना सकें । आज के परिवेश में बैंकों को प्रौद्योगिकी का आश्रय लेकर ग्राहकों को आकर्षित करना है और अपना बनाए रखना है । इसके लिए नवोन्मेषी उत्पाद शुरू करने हैं, ग्राहक-सेवा का स्तर उठाना है तथा अलग-अलग ग्राहक-समूहों को विभिन्न माध्यमों से विविध उत्पादों का विपणन करना है ।

इस संदर्भ में आपका बैंक प्रौद्योगिकी को प्रमुख परिवर्तन-माध्यम के रूप में अपनाकर आगे बढ़ रहा है । आंतरिक परिचालनों में दक्षता लाना, ग्राहकों और बाजार की अपेक्षाओं को पूरा करना तथा प्रतिस्पर्धा का कारगर ढंग से सामना करना इसकी आक्रामक सूचना-प्रौद्योगिकी-नीति के लक्ष्य हैं। प्रौद्योगिकी को महानगरीय और शहरी शाखाओं के साथ अर्धशहरी और ग्रामीण शाखाओं तक पहुँचाकर आपका बैंक विकसित और विकासशील की खाई को पाटना चाहता है । इससे न सिर्फ आपके बैंक की स्थिति सुदृढ़ होगी बल्कि ऋण और नवोन्मेषी उत्पादों के वितरण का माध्यम स्थापित हो जाएगा । देश में सूचना-प्रौद्योगिकी के विस्तार को देखते हुए आपके बैंक ने सभी शाखाओं को 2004 तक कंप्यूटरीकृत करने का निर्णय किया है । एक अति आधुनिक संपूर्ण बैंकिंग समाधान और एक संपूर्ण व्यापार वित्त समाधान को आपके बैंक के परिचालनों के अनुकूल बनाया जा रहा है जिससे ग्राहकों को 'सर्वस्थानिक बैंकिंग' की सुविधा मिल जाएगी । आपका बैंक इन समाधानों को वर्ष 2003-04 में आंशिक रूप से और बाद में बैंक के सभी मंडलों में पूर्ण रूप से शुरू करने के लिए प्रतिबद्ध है । विभिन्न सूचना-प्रौद्योगिकी उत्पादों के समन्वय और वितरण के लिए अलग से एक देशव्यापी नेटवर्क स्थापित किया जा रहा है।

आपके बैंक और उसके सहयोगी बैंकों की उपस्थिति राष्ट्रव्यापी है । अपने परिचालनों में तालमेल बिठाकर अपने सहयोगी बैंकों को साथ लेकर चलने का निर्णय कर आपके बैंक ने एक नई पहल की है और अपनी विकास की कार्यनीति को सुदृढ़ बनाया है । आपके बैंक की अपने अनेक कार्यों विशेषकर

www.reportjunction.com